4126

एम. ए. पूर्वार्द्ध प्रथम प्रश्न–पत्र

इतिहास–दर्शन

प्रथम इकाई 1. इतिहास : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र

2. इतिहास एवं अन्य विषय

3. इतिहासवाद एवं सापेक्षवाद

द्वितीय इकाई1. इतिहास के सिद्धान्त : वस्तुनिष्ठता, व्यक्तिनिष्ठता

2. कार्य–कारण सिद्धान्त : इतिहास में व्यक्ति की भूमिका

3. निर्धारण : चक्रीय एवं रेखीय दृष्टि

तृतीय इकाई 1. ऐतिहासिक शोध : अर्थ एवं प्रविधि

2. इतिहास में व्याख्या

3. प्रणाली विज्ञान : मान्यता अभियांत्रिकी व विषय चयन

4. स्त्रोत एवं साक्ष्य

5. समालोचना

चतुर्थ इकाई1. इतिहास लेखन की परम्परा : चीनी, ग्रीक–रोमन, इस्लामिक, इसाई परम्परा

2. इतिहास के सिद्धान्त : आर. जी. कॉलिंगवुड, रांके, मार्क्स, स्पेंग्लर, टॉयनबी

पंचम इकाई 1. भारतीय इतिहास लेखन : साम्राज्यवादी, प्राच्य, राष्ट्रवादी, सबाल्टर्न, नारीवादी मार्क्सवादी।

सन्दर्भ पुस्तकें

1. इरफान हबीब, भारतीय इतिहास की प्रमुख व्याख्याएं, ग्रन्थषिल्पी, नई दिल्ली
2. गार्डन चाइल्ड, इतिहास का इतिहास, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
3. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय (सं), इतिहास : स्वरूप एवं सिद्धान्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. लाल बहादुर वर्मा, इतिहास : क्यों–क्या–कैसे, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेषालय, दिल्ली विष्वविद्यालय, दिल्ली
5. पांचाल एवं बघेला, इतिहास के सिद्धान्त एवं पद्धत्तियां, रिसर्च पब्लिकेषन्स, जयपुर
6. ई. एच. कार, इतिहास क्या है, नई दिल्ली।

Helpstudentpoint.com

4126

M.A. Previous Paper—I

PHILOSOPHY OF HISTORY

Unit I

1. History: Meaning, Nature and Scope.
2. History and other Disciplines.
3. Historicism and relativism.

Unit II

1. Theories of History:Objectivity, Subjectivity ,Causiation.
2. Role of Individual in History.
3. Determination:Cyclical and Linear Vision.

Unit III

1. Historical Research: Meaning and Method.
2. Explanation in History.
3. Methodology: Thesis Engineering, Choice of Topic.
4. Sources and Evidences, Criticism.

Unit IV

1. Tradition of Historiography: Chinese, Greek, Roman, Islamic, St. Augustine.
2. Theories of History: R G Collingwood, Ranke, Marx, Spengler, Toynbeee, Sorkeen.

Unit V

Indian Historiography: Imperialists, Orientalist, Nationalists, Subaltern, Feminist, Marxist.

Suggested Readings

1. What is History ?, E. H. Carr, Penguin Books, New Delhi.
2. R. G. Collingwood, The Idea of History, Oxford University Press, New Delhi.
3. Beverley Southgate, History: What and Why?, Routledge, London and New York.
4. Will Durant, The Lessons of History, Simon & Schuster.
5. G. W. F. Hegel, Introdution to the Philosiphy of History, Prometheus Books.
6. Mark Day, The Philosophy of History: An Introduction,Bloomsbury.
7. Govind Chandra Pandey, Itihas: Swaroop evam Siddhant, Rajasthan Hindi Granth Acadamy, Jaipur (hindi).
8. Lal Bahadur Verma, Itihas : Kyo-Kya-Kaise, Hindi Madhyam Karyanvayan Nideshalay, Dilli Vishvavidyaly, New Delhi.

Helpstudentpoint.com

4127

एम. ए. पूर्वार्द्ध द्वितीय प्रश्नपत्र

इतिहास का व्यावसायिक दृष्टिकोण

प्रथम इकाई–परिचय

1. व्यावसायिकताः संकल्पना, विचार, आवष्यकता एवं सिद्धान्त
2. व्यवसायों के नैतिक एवं कानूनी पहलू : इतिहास संरक्षण के विशेष सन्दर्भ में। विरासत संरक्षण अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, बौद्धिक सम्पदा अधिकार आदि।
3. व्यावसायिक कौषल तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)

द्वितीय इकाई–इतिहास में व्यवसाय के रूप में शिक्षा

1. शिक्षण : विद्यालय, महाविद्यालय, विशिष्ट शिक्षण
2. शोध एवं उससे सम्बद्ध क्षेत्र : शोध सहायक एवं शोध अधिकारी
3. पुरातत्व एवं उत्खनन : पुरालेखपाल, संग्रहाध्यक्ष (क्यूरेटर)–गूढाक्षर–वाचक, परिरक्षक
4. प्रतियोगी विषय के रूप में इतिहास

तृतीय इकाई–विरासत एवं पयर्टन के क्षेत्र में व्यवसाय

1. स्मारकीय विरासत
2. समाज एवं संस्कृति : उत्सव एवं मेले, भोजन एवं पेय
3. पारिस्थितिकी एवं वन, स्वास्थ एवं चिकित्साः योग, औषधीय पौधे
4. ऐतिहासिक पयर्टन : गाइडिंग, यात्रा एवं भ्रमण, विरासत होटल, संग्रहालय

चतुर्थ इकाई–उत्पाद के रूप में इतिहास

1. व्यक्गित एवं शासकीय/आधिकारिक/सरकारी–कार्यालयीय रिकार्ड
2. व्यक्तिगत, कार्यालयीय एवं विशिष्ट इतिहास–लेखन
3. वंशावली, सिटी बुक, कॉफी टेबल बुक, फैमिली बुक
4. वाणिज्यिक उत्पाद : पारम्परिक हस्तशिल्प, लघुचित्र
5. स्थानीय उत्पाद की संकल्पना एवं निर्माण

पंचम इकाई–संगठन (सरकारी–गैरसरकारी)

1. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : यूनेस्को
2. राष्ट्रीय संगठन : भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् (ICHR) भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस भारतीय

Helpstudentpoint.com

राष्ट्रीय अभिलेखागार तथा इनटैक (INTACH)

3. राज्यस्तरीय संगठन : राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस राजस्थान राज्य अभिलेखागार और संग्रहालय
4. क्षेत्रीय संगठन : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, (जोधपुर), श्री नटनागरशोध संस्थान, सीतामऊ (म.प्र.), प्रताप शोध प्रतिष्ठान, (उदयपुर), साहित्य संस्थान उदयपुर महाराजा मेवाड.शोध संस्थान, (उदयपुर)
5. इतिहास एवं संस्कृति से सम्बद्ध गैरसरकारी संगठन का विकास कैसे करे ?

सन्दर्भ पुस्तकें

1. आशुतोष सक्सेना, राजस्थान का ऐतिहासिक पुरातत्व, साहित्यागार, जयपुर
2. चन्द्रमणि सिंह, राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, पत्रिका प्रकाशन, जयपुर
3. विक्रम सिंह राठौड़, राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थानी शोध संस्थान, जोधपुर
4. रत्नलाल मिश्र, स्मारकों का इतिहास, इनाश्री पब्लिकेशन, जयपुर
5. दामोदर लाल गर्ग, ऐतिहासिक स्थानावली, अरावली प्रकाशन, जयपुर
6. आशुतोष सक्सेना, राजस्थान का ऐतिहासिक पुरात्तव, साहित्यागार, जयपुर
7. प्रतिभा, भारत की ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यटन उत्पाद, ए.बी.डी. पब्लिशर्स, जयपुर
8. मोहनलाल गुप्ता, राजस्थान : जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, राजस्थानी ग्रन्थागार, जयपुर

Helpstudentpoint.com

4127

M.A. Previous Paper –II

PROFESSIONAL APPROACH OF HISTORY

Unit I

Introduction

1. Professionalism: Concept, Need and Principals.
2. Ethics and Legalities of Professions: special reference to preserve History-Heritage Conservation Acts,Copy right Acts, Intellectual Property rights etc.
3. Professional Skill and ICT.

Unit II

Education as a Profession in History

1. Teaching: School, College, Specific Teaching.
2. Research and Allied; Research Assistant & Research Officers.
3. Archaeology and Excavation : Archivist, Curator, Decipherist, costodion.
4. History as a Competitive Subject.

Unit III

Profession in field of Heritage and Tourism

1. Cultural Heritage: Festivals and Fairs, Foods and Beverages.
2. Ecology and Forest, Health and Medicines: Yoga, Medicinal Plants.
3. Historical Tourism:Monuments, Museums, Heritage Hotels, Guiding, Travel & Tour.

Unit IV

History as a Product

1. Private and Official Records.
2. Personal, Offical and Specific writing of History.
3. Vanshavali, City Book, Coffee Table Book, Family Book.
4. Commercial Products: Traditional Handicrafts, Miniature Paintings, Textiles.
5. Concept and Creation of Local Product.

Unit V

Organisations (Government, Non-Government)

1. International : UNESCO
2. National : ICHR, ASI, Indian History Congress, National Archives of India and INTACH
3. State: Rajasthan History Congress, Rajasthan states Archives and Museum
4. Regional: Rajasthan Oriental research Institute (Jodhpur), Shree Natnagar Shodh Sansthan (Sitamau, M.P.), Pratap Shodh Pratisthan (Udaipur), Sahitya Sansthan (Udaipur), Maharana Mewar Research Institute (Udaipur).
5. How to develop N.G.Os relating to History & Culture.

Helpstudentpoint.com

Suggested Readings

1. Tracey Loughran, A Practical Guide to Studying History: Skills and Approaches.
2. Elizabeth Shown Mills (ed), Professional Genealogy,Genealogical Publishing Company, Baltimore, U.S.A.
3. John K. Kultgon,Ethics and Professionalism, Pennsylvania Press.
4. David Carr, Professionalism and Ethics in Teaching, Routledge.
5. G. Watt, The Commercial Products of India, London.
6. Vasudev Sharan Agarwal, Evolution of The Hindu Temple and Other Essays, Prithvi Prakashan, Allahabad.
7. Vasudev Sharan Agarwal, Indian Art (Vol-1,2), Prithvi Prakashan, Allahabad.
8. Vasudev Sharan Agarwal, The Heritage of Indian Art, Ministry of Information of India.
9. Om Prakash, Food and Drinks in Ancient India, Delhi.
10. Arun Ghose, Conservational and Restoration of Cultural Heritage, Delhi.
11. G.E.O. Acpa, Contribution of Museum in the Modern Society.
12. Usha Agrawal, Museum in India: A Brief Directory, New Delhi
13. Margaret Macmillan, Uses and Abuses of History.
14. John Stanley and Linda Sally Stanly, Food Tourism: A Practical Marketing Guide, C A B I, Australia.
15. Karl Jan Borowiecki, Cultural Tourism in a Changing World, Springer.
16. Constantine Sandis (ed), Cultural Heritage Ethics: Between Theory and Practice, Curato.

Helpstudentpoint.com

4128
एम. ए. पूर्वार्द्ध तृतीय प्रश्न–पत्र
समकालीन विश्व

प्रथम इकाई
1. 19वीं सदी की विरासत : उदारवाद, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद
2. प्रथम विश्वयुद्ध : कारण एवं परिणाम
3. पैरिस शान्ति समझौता तथा इसके प्रभाव
4. बोल्शेविक क्रांति : कारण एवं प्रभाव
5. लेनिन : नई आर्थिक नीति

द्वितीय इकाई
1. राष्ट्रसंघ : उद्देश्य, उपलब्धियॉ एवं असफलता
2. महामन्दी : कारण एवं प्रभाव
3. फासीवाद एवं नाजीवाद का उदय
4. द्वितीय विश्वयुद्ध : कारण एवं परिणाम

तृतीय इकाई
1. संयुक्त राष्ट्र संघ एवं विश्व शान्ति
2. शीत युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. नाटो वारसा संधि
4. अफ्रीकी एशियाई देशों में राष्ट्रीय आन्दोलन
5. गुट–निरपेक्ष आन्दोलन

चतुर्थ इकाई
1. समाजवादी गुट का विघटन एवं राजनीति पर इसका प्रभाव
2. एक ध्रुवीय विश्व का उदय
3. वैश्वीकरण एवं इसके राजनैतिक–आर्थिक प्रभाव

पंचम इकाई
1. भारत की विदेश नीतिः चीन एवं पाकिस्तान के साथ भारत के सम्बन्ध
2. कश्मीर एवं फिलीस्तीन समस्या
3. नागरिक अधिकार आन्दोलन
4. अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद एवं इसके प्रभाव

Helpstudentpoint.com

सन्दर्भ पुस्तकें

1. पार्थ सारथी शर्मा, आधुनिक पश्चिम का उदय, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2. जेम्स जाल, यूरोप 1870 से हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. जैन, माथुर, आधुनिक विश्व का इतिहास, जैन प्रकाशन मन्दिर, जयपुर
4. बृजेन्द्र नाथ मेहता, आधुनिक यूरोप, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
5. लाल बहादुर वर्मा, आधुनिक विश्व इतिहास की झलक (भाग–1,2), अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
6. दीनानाथ वर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, ज्ञानदा प्रकाशन, पटना
7. किरण दातार, अमरीका का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
8. बुद्ध प्रकाश, एशिया का इतिहास, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
9. ज्योफ्रे ब्रून, विक्टर एस. मैगत, बीसवीं शताब्दी का विश्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
10. एम. एस. राजन, गुटनिरपेक्षता : आन्दोलन एवं संभावना

Helpstudentpoint.com

4128
M.A. Previous Paper-III
CONTEMPORARY WORLD

Unit-I

1. Legacy of the Ninteenth Century: Liberalism, Nationalism and Imperialism.
2. First World War: Causes and Consequenses.
3. Paris Peace Settlement and its Impact.
4. Boleshevik Revolution: Causes and Impact.
5. Lenin: New Economic Policy.

Unit-II

1. League of Nations: Aims,Achievements and failure.
2. Great Depression: Causes and Impact.
3. Rise of Fascism and Nazism.
4. Second World War: Causes and Consequences.

Unit-III

1. U.N.O. and World Peace.
2. Cold War: Causes and Results.
3. NATO-Warsa Pact.
4. Natinalist Movements in Afro-Asian Nations.
5. Non-Aligned Movement.

Unit-IV

1. Disintegration of Socialist Block and its impact on Politics.
2. Emergence of Unipolar World.
3. Globalization and its Political & Economic Impact.

Unit-V

1. Foreign Policy of India: Relations of India with China and Pakistan.
2. Kashmir Problem and Palestine Problem.
3. Civil Rights Movements..
4. International Terrorism and its Impact.

Suggested Readings

1. D.C. Watt, F. Spencer and N. Brown, A History of World in the Twentieth century, London 1967
2. G. Barrowclough- An Introduction to conteporary History, London 1964
3. Eric Hobsbawn, Age of Extremes: The Short Twentieth century, London 1999
4. N. Gracbner, Cold War Diplomacy, 1945 to 1960, Princeton 1962
5. M. Hogan(ed), The End of the Cold War: Its Meaning and implications, Cambridge 1992.
6. Shashi Bhushan Upadhyay, Historiography in the Modern world, Oxford India Press, New Delhi.
7. Arjun Dev, Indira Arjun Dev, History of The World, Orient BlackSwan, New Delhi.
8. B. V. Rao, History of the Modern World. Sterling Publication, New Delhi.

Helpstudentpoint.com

4129

एम. ए. पूर्वार्द्ध चतुर्थ प्रश्नपत्र

राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास (750 ई. से 1950 ई. तक)

प्रथम इकाई

1. राजस्थान के सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास के स्त्रोत : साहत्यिक, पुरातात्त्विक एवं पुरालेखीय
2. सामाजिक संस्थाएं : जाति–व्यवस्था, परिवार, विवाह एवं संस्कार
3. सामाजिक प्रथाएं : दासप्रथा, अस्पृश्यता, पर्दाप्रथा,सती–जौहर–साका

द्वितीय इकाई

1. सामाजिक–धार्मिक विश्वास : शैवमत, वैष्णवमत, सूर्य पूजा, शक्ति पूजा
2. सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन : सूफी, विश्नोई, दादूपन्थी, रामस्नेही
3. राजस्थान में सामन्त प्रथा : उद्‌भव, विकास एवं उन्मूलन
4. मध्यकालीन राजस्थान में शिक्षा–व्यवस्था
5. राजस्थान के मेले, उत्सव एवं लोक देवता और लोक देवियां

तृतीय इकाई

1. राजस्थान में आर्य समाज आन्दोलन
2. गोविन्द गिरि और भगत आन्दोलन
3. जातीय सुधार सभाएं : वाल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा
4. ईसाई मिशनरी और सामाजिक कार्य
5. पश्चिमी शिक्षा एवं संस्कृति का प्रभाव

चतुर्थ इकाई

1. अध्ययन काल में अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं संरचना : ग्राम्य एवं नगरीय
2. भू–राजस्व व्यवस्था एवं सामन्ती जागीदारी व्यवस्था, भू–अनुदान
3. कृषीय एवं अकृषीय उत्पादन

पंचम इकाई

1. कारीगर वर्ग, लघु–चित्र, वस्त्र–परम्परा एवं हस्तकला
2. स्वदेशी बैंकिग प्रणाली, कर–व्यवस्था एवं अकाल
3. नगरीकरण एवं प्रमुख नगर–केन्द्र
4. रेलवे का विकास एवं उसके प्रभाव

Helpstudentpoint.com

सन्दर्भ पुस्तकें

1. गोपीनाथ शर्मा, राजस्थान के इतिहास के स्त्रोत, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. गोपीनाथ शर्मा, राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा
3. गोपीनाथ शर्मा, राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. आर.पी. व्यास, राजस्थान का वृहत् इतिहास (भाग–1,2), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
5. के.एस. गुप्ता, जे.के. ओझा, राजस्थान का इतिहास : एक सर्वेक्षण, लिट्रेरी सर्कल, जयपुर
6. जयसिंह नीरज, भगवती लाल शर्मा, (सं), राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
7. राघवेन्द्र मनोहर, राजस्थान के दुर्ग, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
8. चन्द्रमणि सिंह, राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, पत्रिका प्रकाशन, जयपुर
9. विक्रम सिंह राठौड़, राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थानी शोध संस्थान, जोधपुर
10. बृजकिशोर शर्मा, आधुनिक राजस्थान का आर्थिक इतिहास, पब्लिकेशन्स स्कीम, जयपुर

Helpstudentpoint.com

4129

M.A. Previous Paper- IV

SOCIAL AND ECONOMIC HISTORY OF RAJASTHAN
(FROM 750 CE TO 1950 CE)

Unit-I

1. Sources of Social and Economic History of Rajasthan: Literary, Archaeologocal and Archival.
2. Social Institutions: Caste System, Family, Marriage, Sansakaras.
3. Social Practices: Slavery, Untouchability, Purdah System, Sati-Johar-Saka.

Unit-II

1. Socio-Religious Beliefs: Shaivism,Vaishnavism Sun Worship and Shakti Worship.
2. Socio-Religious Movements: Sufism, Bisnoi's, Dadupanthi, Ramsanehi and Jasnathi.
3. Feudal System in Rajasthan: Origin, Growth and Abolition.
4. Education System in Medieval Rajasthan.
5. Faires, Festivals and Folk-Deities of Rajasthan.

Unit-III

1. Arya Samaj Movement in Rajasthan.
2. Bhagat Movement under Govindgiri.
3. Caste Reform Sabhas: Walterkrit Rajput Hitkarini Sabha.
4. Christian Missionaries and Social Work.
5. Impact of Western Culture and Education.

Unit-IV

1. Nature and Structure of Economy during Period of Study: Rural and Urban.
2. Land–Revenue System and Feudal Jagirdari System Land Grants.
3. Agrarian and Non-Agrarian Prodution.

Unit-V

1. Artisan Classes, Miniature Paintings, Textile and Handicrafts.
2. Indigenous Banking, Taxation System and Famines.
3. Urbanization and Major Urban Centres.
4. Growth of Railways and its Impact.

Helpstudentpoint.com

Suggested Readings

1. Dashrath Sharma, Rajasthan Through the Ages(volume 1, 2), RAJ State Archives Bikaner.
2. James Todd, Annals and Antiquities Of Rajasthan, Low Price Publications, New Delhi.
3. Rima Hooja, A History of Rajasthan, Rupa & Co., New Delhi.
4. S.K. Sharma and Usha Sharma (ed.), Art, Architecture And Memoirs of Rajasthan, Deep and Deep Publiation New Delhi.
5. Ram Vallabh Somani, History of Rajasthan, Rajasthani Granthagar, Jodhpur.
6. K. G. Sharma, History and Culture Of Rajasthan, Centre For Rajasthan Studies,University of Rajasthan, Jaipur.
7. Gopinath Sharma, Rajasthan ke Itihas Ke Srot, Rajasthan Hindi granth Acadamy, Jaipur (Hindi).
8. Gopinath Sharma, Rajasthan ka Sanskritik Itihas, Rajasthan Hindi granth Acadamy, Jaipur(Hindi).
9. Gopinath Sharma, Rajasthan Ka Itihas, Shivlal Agarwal & Co, Agra(Hindi).
10. K.S. Gupta, J. K. Ojha, Rajasthan Ka Itihas: Ek Sarvekshan, Literary Circle, jaipur (Hindi).
11. R. P. Vyas, Rajasthan Ka Vrihat Itihas (Part-1 and 2), Raasthan Hindi Granth Acadami, Jaipur (Hindi).
12. Jai Singh Neeraj, Rajasthan Ki Sanskritik Parampara, Rajasthan Hindi granth Acadamy, Jaipur(Hindi).
13. Braj kishore Sharma, Adhunik Rajasthan Ka Arthik Itihas, Publications Scheme, Jaipur.

Helpstudentpoint.com

4130

एम. ए. पूर्वार्द्ध पंचम प्रश्न–पत्र

राजस्थान की जनजातीयों का इतिहास

प्रथम इकाई 1. जनजातीय इतिहास के स्त्रोत : मौखिक स्त्रोत, साहित्य, चौपडा

2. परिभाषा, विशेषताएं एवं भारत तथा राजस्थान में भौगोलिक विस्तार / फैलाव

3. राजस्थान की प्रमुख जनजातियां : भील, मीणा, गरासिया, सहरिया, डामोर

द्वितीय इकाई 1. जनजातीय समाज : विवाह, नातेदारी गोत्र नात युवा सह–आवास, स्त्रियों की स्थिति एवं भूमिका

2. जनजातीय संस्कृति : देवी–देवता, धार्मिक अनुष्ठान, गीत एवं नृत्य, कलाएँ, पर्यावरण चेतना,

तृतीय इकाई 1. मध्यकालीन राजस्थान में राजपूत जनजाति सम्बन्ध

2. भारतीय उपनिवेशवाद एवं जनजातियां : मिशनरी गतिविधियों का प्रभाव, ब्रिटिश नीतियों एवं कानूनों का प्रभाव

3. भारतीय समाज–सुधार आन्दोलन एवं जनजातीय समाज

चतुर्थ इकाई 1. अरावली पर्वतीय क्षेत्र में भील–विद्रोह

2. मेरवाड़ा में मेर आन्दोलन

3. गोविन्द गिरि का भगत आन्दोलन एवं उसका प्रभाव : मानगढ़ हत्याकांड

4. दक्षिणी राजस्थान में मोतीलाल तेजावत एवं एकी आन्दोलन

पचंम इकाई 1. भारतीय संविधान में जनजातियों हेतु सुरक्षात्मक प्रावधान

2. राजस्थान के विकास में जनजातियों की भूमिका

3. जनजातियों से सम्बद्ध मोताणा, डाकन इत्यादि सामाजिक मुद्दे

Helpstudentpoint.com

सन्दर्भ पुस्तकें

1. हरिश्चन्द्र उप्रेती, भारतीय जनजातियां : संरचना एवं विकास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

2. एम. कुमार, आदिवासी संस्कृति एवं राजनीति, विश्व भारती पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

3. प्रकाश चन्द्र जैन एवं मधुसूदन त्रिवेदी, आदिवासी विकास योजनाएं, शिवा पब्लिशर्स, उदयपुर

4. आशा गुप्ता, जनजातीय, सांस्कृतिक अश्मिता, हिमांशु पब्लिकेशन, उदयपुर

5. शिव बहाल सिंह, विकास का समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर

Helpstudentpoint.com

4130

M.A. Previous Paper –V

HISTORY OF TRIBES IN RAJASTHAN

Unit- I

1. Sources of Tribal History: Oral Sources, Literature,Choparas.
2. Definition, Characterstics and Geographical Distribution in India and Rajasthan.
3. Main Tribes of Rajasthan: Bhil, Meena, Garasia, Saharia, Damor.

Unit-II

1. Tribal Society: Marriage, kinship, Clan, Youth Dormitory, Status and Role of Women.
2. Tribal Culture: Gods and Godesses, Rituals, Song and Dance Forms, ArtForms, Environmental Conscience.

Unit-III

1. Rajput-Tribe Relations un Medieval Rajasthan.
2. Indian Colonialism and Tribes: Impact of Missionary Activities and British Policies-Laws.
3. Indian Socio-Religious Movement and Tribal Society.

Unit-IV

1. Bhil Revolt in Mewar Hill Tracts.
2. Mer Revolt in Merwara.
3. Bhagat Movement under Govind Guri and its Impact: Mangarh Massacre.
4. Motilal Tejawat and Ekki Movement in South Rajasthan.

Unit-v

1. Protective Provisions for Tribes in Indian Constitution.
2. Role of Tribes in Development of Rajasthan.
3. Motana, Dakan and other Social Issues related with Tribes.

Suggested Readings

1 .E. Evans Pritchard, Anthropology and History, Manchester University Press.
2 Asad Talal, Anthropology and the Colonial Encounter, Ithaca Press, London.
3 N. K Bose, Hindu Mode of Tribal Absorption: Cultural Anthropology and Other Essays.
4 K. S. Singh (ed), Tribal Movements in India, Manohar Publications, New Delhi.
5 G. N. Sharma (ed), Social and Political Awakening Among the Tribes of Rajasthan, Cenre For Rajasthan Studies, University of Rajasthan, Jaipur.
6 P. C. Mehta, Tribal Development, Shiva Publishers & Distributors, Udaipur.
7 Madhuri Chaubey, Status of Deprived Tribal Youth,Shiva Publishers & Distributors, Udaipur.
8 M. A. Sheering, Tribes and Castes of Rajasthan, Rajasthani Granthagar, Jodhpur.

Helpstudentpoint.com